www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 208 | जौनपुर सोमवार, 16 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ज्योतिरादित्य सिंधिया की डिजिटल क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना जिले के उमरी गांव में दूरसंचार विभाग की "समृद्ध ग्राम फिजिटल सेवाएं" पायलट पहल के अंतर्गत एकीकृत Phygital सेवा केंद्र – समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया। यह पहल भारतनेट के तहत विकसित उच्च गति ब्रॉडबैंड अवसंरचना को केवल इंटरनेट कनेक्टिविटी तक सीमित न रखते हुए, उसे ग्रामीण जीवन को सीधे प्रभावित करने वाली नागरिक–केंद्रित सेवाओं के एक समग्र मंच में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से डिजिटल कनेक्टि विटी को गांवों में वास्तविक सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के साध न के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया गया है। इस पहल के साथ आरी देश का पहला ऐसा गांव बन गया है, जहां स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विभिन्न सरकारी सेवाएं ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे, सहज और सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे ग्रामीणों को बुनियादी सेवाओं के लिए दूर–दराज के शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि आधुनिक डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से ये सभी सेवाएं उनके अपने गांव में ही उपलब्ध होंगी।

126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग

असम, एजेंसी। चुनाव आयोग ने आज शाम 4 बजे नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर असम समेत पांच राज्यों के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि असम की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को खत्म हो रहा है, इसलिए राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जाएगा। असम की सभी 126 सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है।

एक ही चरण में होगी वोटिंग, 4 मई को आएंगे नतीजे

असम में इस बार विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में संपन्न होंगे। राज्य की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इसके बाद, वोटों की गिनती 4 मई को होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बार असम के लगभग 2. 5 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1.25 करोड़ है।

सत्ता बरकरार रखने और खोई जमीन पाने की जंग

राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 64 सीटों की जरूरत होती है। वर्तमान में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाले बीजेपी गठ बंधन के पास 86 सीटें हैं, जो बहुमत से काफी ज्यादा है। वहीं, कांग्रेस के पास महज 22 सीटें हैं। इस बार मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है।

पीएम मोदी के पत्र पर ओम बिरला ने जताया आभार

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के प्रथम चरण के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की तरफ से उन्हें इस पद से हटाए जाने का प्रस्ताव लाया गया था। जो बजट सत्र के दूसरे चरण में सदन में ध्वनिमत से खारिज हो गया। वहीं इससे पहले पीएम मोदी ने राजस्थान के कोटा में वहां के सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की जमकर तारीफ की और उन्हें शानदार सांसद और बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष बताया था। इसके बाद प्रधानमंत्री की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भी लिखा गया था।

ओम बिरला ने पीएम मोदी का जताया आभार

वहीं, अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके पत्र के लिए आभार जताया गया है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में ओम बिरला ने लिखा– माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, आपका पत्र प्राप्त हुआ। भारत के संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति आपका हमेशा अटूट विश्वास रहा है। आपका पत्र लोक सेवा के उन उच्चतम नैतिक मूल्यों को व्यक्त करता है, जिन्हें आपने अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में जिया हैय वर्तमान में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तथा इससे पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में। आप सदैव संसद की मूल प्रकृति – संवाद, तर्क और विचार–विमर्श में गहरा विश्वास रखते हैं। आप संसद में उठने वाली प्रत्येक आवाज को लाखों भारतीय नागरिकों की आवाज के रूप में सम्मान देते हैं। आप हमेशा संसदीय कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और संसद में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे का समाधान निकालने का प्रयास करते हैं। आपका यह संदेश दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर संसद, राज्य विधानमंडल तथा स्थानीय निकायों के सभी जनप्रतिनिधियों को प्रेरित करेगा और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान सभा के सदस्यों द्वारा स्थापित लोकतंत्र के सशक्त नैतिक आधार को और सुदृढ़ करेगा। आपके प्रेरणादायी शब्दों के लिए हार्दिक आभार।

आस्था पर न करें टिप्पणी, आदतन अपराधी व्यक्ति को प्रतिबंधित करें – सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा में पूछे गए विवादित प्रश्न के प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को ध्इसका संज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स को इस बाबत विशेष सावधानी बरतने के निर्देश देने को कहा। साथ ही आदतन ऐसी हरकतें करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि सभी पेपर सेंटर्स के साथ परीक्षा से संबंधित एमओयू करने के दौरान इस बाबत शर्त भी जोड़ी जाए।

बता दें कि इस प्रकरण के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराने के साथ जांच कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

नुकसान का आकलन करें डीएम

वहीं दूसरी ओर सीएम ने रविवार सुबह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हुई वर्षा से फसलों को होने वाले नुकसान संबंधी जानकारी ली। उन्होंने सभी संबंधित जिलों के डीएम समेत अधिकारियों को फील्ड में रहकर किसानों से संवाद करने और उनकी फसलों के नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राहत आयुक्त फील्ड के अधिकारियों से सीधा समन्वय रखें। ध्फसलों को हुई क्षति का आकलन करके समय पर मुआवजे के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

भारत में ईरान दूतावास की अपील, फंड ट्रांसफर में दिक्कत के बीच लोगों से सहयोग जारी रखने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने लोगों से सहयोग बनाए रखने की अपील की है। दूतावास ने कहा है कि उसके खाते में धन ट्रांसफर करने में कुछ तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं। इसके बावजूद भारत के लोगों ने जिस तरह समर्थन दिखाया है, उसके लिए ईरान ने आभार जताया है। दूतावास ने कहा कि समस्या को दूर करने की कोशिश जारी है और जल्द समाधान निकाला जाएगा। ईरान के दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भारत के लोगों का समर्थन उनके लिए बहुत अहम है। दूतावास ने कहा कि कई लोगों ने आर्थिक मदद भेजने की कोशिश की, लेकिन खाते में धन ट्रांसफर करने में कुछ परेशानियां सामने आईं। इसलिए लोगों को फिलहाल कुछ बातों का ध्यान रखने के लिए कहा गया है।

क्या फंड ट्रांसफर में तकनीकी समस्या आई?

दूतावास के अनुसार फिलहाल उसके खाते में धन भेजने की प्रक्रिया में दिक्कत आ रही है। इसी कारण कुछ लोगों को भुगतान करने में समस्या का सामना करना पड़ा। दूतावास ने कहा कि इस तकनीकी समस्या को जल्द ठीक करने के लिए काम किया जा रहा है। जब तक समस्या दूर नहीं होती, तब तक लोगों को दूसरे तरीकों से सहयोग करने के लिए कहा गया है।

क्या गूगल पे के इस्तेमाल से मना किया गया?

दूतावास ने साफ कहा है कि फिलहाल गूगल पे का इस्तेमाल इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जाए। दूतावास के मुताबिक यह सेवा अभी इस काम के लिए सही तरीके से काम नहीं कर रही है। इसलिए लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे इस माध्यम से भुगतान करने की कोशिश न करें, ताकि किसी तरह की परेशानी न हो।

मोदी विरोध के नाम पर भारत को बदनाम कर रही कांग्रेस - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के अपने दौरे के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्षी राजनीति के तौर–तरीकों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीचा दिखाने के प्रयास में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब कर रहे हैं। यह हमला दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के ष्बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शनष् और संसद की सीढ़ियों पर राहुल गांधी के आचरण को लेकर किया गया।

लोकतंत्र के मंदिर का अपमान

अमित शाह ने संसद की सीढ़ियों पर राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन के तरीके पर कड़ी आपत्ति जताई। संसद लोकतंत्र का एक पवित्र मंदिर है। राहुल गांधी वहां सीढ़ियों पर बैठकर चाय–पकौड़े खा रहे थे। क्या उन्हें यह भी नहीं पता कि नाश्ता कहाँ करना चाहिए? हम

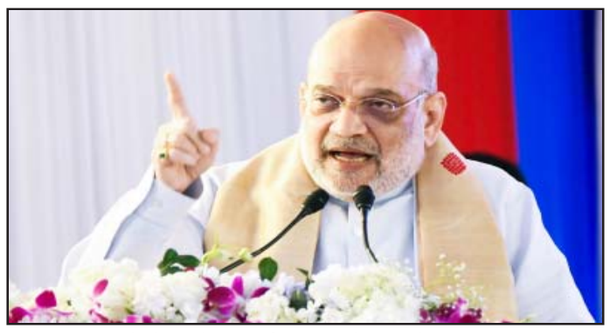

भी कभी विपक्ष में थे, विरोध प्रदर्शन भी किए, लेकिन उसके लिए एक सही मंच और मर्यादा होती है। शाह ने आगे कहा कि ए आई समिट जैसे वैश्विक मंच पर बिना कपड़ों के प्रदर्शन करना सीधे तौर पर देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की साजिश है, जिसे भारत की जनता कभी माफ नहीं करेगी। स्वास्थ्य फंड के गलत इस्तेमाल का आरोप। कांग्रेस की आलोचना के साथ–साथ, शाह ने असम में पार्टी के पिछले शासन के रिकॉर्ड पर भी हमला बोला, खासकर स्वास्थ्य क्षेत्र में। उन्होंने आरोप लगाया कि एक दशक पहले राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब हालत में थी और दावा किया कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने जन कल्याण के बजाय नेताओं के परिवारों की आर्थिक सेहत को ज्यादा प्राथमिकता दी। असम में सत्ता में रहने के 15 सालों के दौरान, कांग्रेस ने राज्य के स्वास्थ्य बजट से हर साल 150 करोड़ रुपये हड़प लिए। सुलभ चिकित्सा उपचार पर केंद्रित पार्टी के तौर पर पेश करते हुए, शाह ने कहा कि मौजूदा सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। असम के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तारीफ की। असम में बड़े स्वास्थ्य प्रोजेक्ट शुरू हुए। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तारीफ करते हुए, शाह ने कहा कि असम स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा है।

राम नगरी मे घरेलू व कमर्शियल सिलेंडर के अभाव में गैस उपभोक्ता ले रहे इंडक्शन व मिट्टी के चूल्हे का सहारा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर न मिलने के चलते शहर के कई बड़े होटल रेस्टोरेंट, ढाबों के संचालक काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं।बताते चले कि यह समस्या शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक बनी हुई है देखा जाए तो सबसे अधिक परेशानी शहर में स्थित विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट,ढाबों,कैंटीन पर हो रही है पर हो रही है। अयोध्या धाम में रामलला का दर्शन पूजन करने वाले श्रद्धालुओं को भी इस समस्या से गुजरना पड़ रहा है क्योंकि विभिन्न प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं को अपने पसंद का भजन नाश्ता नहीं मिल पा रहा है जिसके चलते वह भी काफी मायूस नजर होते हुए दिखाई दिए यह समस्या रेलवे स्टेशन तथा बस स्टेशन पर भी दिखाई दी। इसी तरह विभिन्न होटलों रेस्टोरेंट ढाबा पर आने वाले ग्राहकों को अपने हिसाब से भोजन तथा नाश्ता नहीं मिल पा रहा है पूछने पर एक ही समस्या आ रही है कि इस समय गैस नहीं उपलब्ध है जिसके चलते हम सभी लोगों को इंडक्शन कुकर और चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। इस समय इंडक्शन कुकर और चूल्हे और अंगीठी का उपयोग अधिक होने के चलते लकड़ी तथा कोयले के दामों में भी वृद्धि बड़ी तेजी से हो रही है। इसके अलावा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के रसोई घरों पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। इस समय अधिकतर घरों में गैस को लेकर तनातनी का माहौल भी दिखाई दे रहा है क्योंकि जो महिलाएं अभी तक सिलेंडर पर खाना बनाती थी अचानक ग्रामीण क्षेत्रों में खासकर इस समय चूल्हे तथा गोबर से बड़े उपली का सहारा लेना पड़ रहा है।अन्य ने विकल्प तलाशना शुरू किया।गैस की कमी के कारण भोजन बनाने के लिए पारंपरिक और वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया जा रहा है।कई होटलों में लकड़ी के चूल्हे और मिट्टी के पारंपरिक चूल्हे फिर से इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं।कुछ स्थानों पर कोयले की भट्टी बनाकर भोजन तैयार किया जा रहा है।बड़े होटलों में बिजली से चलने वाले इंडक्शन चूल्हों का भी उपयोग शुरू हो गया है।श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण होटल–रेस्टोरेंट पर भोजन व्यवस्था का दबाव बढ़ा।होटल स्टाफ की बड़ी संख्या के लिए भी भोजन बनाना चुनौती बन गया है।वैकल्पिक साधनों से किसी तरह नाश्ता और खाना तैयार किया जा रहा है।होटल संचालकों व अन्य गैस उपभोक्ताओं ने सरकार से जल्द कमर्शियल गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

भव्य होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

डीकेयू लाइव

ब्यूरो चीफ सुरेन्द्र कुमार

अयोध्या रूअखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद अयोध्या द्वारा रविवार 15 मार्च 2026 को आर.बी.एस. होटल, परिक्रमा मार्ग, जगदीशपुर, जिला अयोध्या में भव्य होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से शुरू हुआ, जिसमें समाज के कई प्रमुख लोगों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया तथा समाज के सम्मानित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने पर जोर दिया। समारोह के दौरान

होली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और समाज की प्रगति व एकता का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदान 9 अप्रैल से शुरू होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग 15 मार्च (रविवार) को शाम 4:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव वाले पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2.19 लाख से ज्यादा मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं के लिए मतदान को सुलभ और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। मतदान केंद्रों की यह बड़ी संख्या, अलग–अलग भौगोलिक क्षेत्रों में होने वाली इस चुनावी प्रक्रिया के विशाल पैमाने को दर्शाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को 20 से ज्यादा देशों के चुनाव आयोगों के प्रतिनिधि भी देखेंगे।

वरिष्ठ समाज सेवी एवं दैनिक देश की उपासना समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ रविंद कुमार श्रीवास्तव का डॉक्टरों की घोर लापरवाही से आई एल बी एस हास्पिटल बसंत कुंज नई दिल्ली में हुआ निधन, समाचार पत्र परिवार एवं क्षेत्र तथा परिवार रिश्तेदार मित्रों में शोक की लहर

ब्यूरो चीफ दिल्ली

नई दिल्ली। प्रयागराज उत्तर प्रदेश से देश की उपासना दैनिक समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ एवं वरिष्ठ समाजसेवी व अभिकर्ता रहे रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव जो पिछले करीब 03 माह से देश के माने जाने डॉक्टर एस के सरीन निदेशक इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलरोबीन संस्थान , बसंत कुंज नई दिल्ली में डॉ सरीन के नाम पर जाकर दवा इलाज करा रहे थे , उहोंने थोड़ी समस्या होने पर दिनांक 6 मार्च को डॉ सरीन

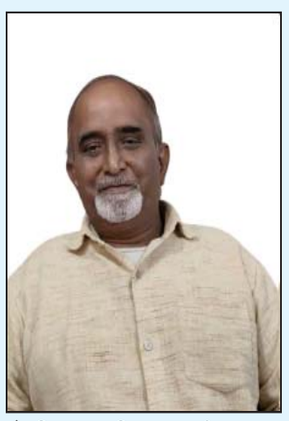

को दिखाया फिर उनकी सलाह पर दवा शुरु हुई उनको पहले जनरल वार्ड में रखा फिर मिनी आईसीयू मे रखा गया ,फिर अपनी मन मानी दवा इलाज किया जिससे उनकी किड़नी पर असर हो गया , हालत खराब हो गई फिर उनको वैल्टिनेटर पर डाल दिया और अंततः आज डॉक्टर लोगों की घोर लापरवाही के कारण मृत्यु हो गई। रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी मूल रूप से जनपद जौनपुर के रहने वाले हैं। मामले की पूरी तहकीकात जारी है ,बाकी पूरी खबर अगले अंकों में प्रकाशित किया जाएगा।

संपादकीय

ऊर्जा संकट और व्यापार युद्ध में तेजी

वैश्विक ऊर्जा बाजार युद्ध–जोखिम के चरम पर पहुँच गया है। 400 मिलियन बैरल आपातकालीन तेल (अकेले अमेरिका से 172 मिलियन बैरल) की अभूतपूर्व रिलीज के बावजूद, WTI क्रूड +94 / बैरल के पार पहुँच गया है। बाजार की स्थिति साफ हैरू भंडार श्बंद पाइपश की समस्या का समाधान नहीं कर सकते। इराक में टैंकर युद्धरू बसरा के पास ईरानी ड्रोन नावों ने दो ईंधन तेल टैंकरों पर हमला किया। एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। इराक ने तेल बंदरगाहों पर सभी परिचालन रोक दिए हैंकृजिससे खाड़ी के कच्चे तेल के लिए उपलब्ध अंतिम सुरक्षित निकास में से एक भी बंद हो गया है।

होरमुज जलडमरूमध्यरू प्रभावी रूप से बंद। शिपिंग यातायात में 70% की गिरावट आई है, बीमाकर्ताओं ने P-I कवर वापस ले लिया है, और रिपोर्टों से पता चलता है कि नौसैनिक माइनिंग (बारूदी सुरंगें बिछाना) शुरू हो गई है। खाड़ी अब एक नो–गो जोन (प्रवेश–निषिद्ध क्षेत्र) बन गया है। ईरान ने GCC देशों में स्थित अमेरिकी बैंकों और कॉर्पोरेट कार्यालयों पर हमले की धमकी दी है। आक्रोश बनाम अंतिम लीटर भू–राजनीतिक माहौल घुटन भरे चरम पर पहुँच गया है, क्योंकि कूटनीतिक माध्यम प्रभावी रूप से समाप्त हो गए हैं, और उनकी जगह लगातार भड़काऊ बयानबाजी के एक चक्र ने ले ली है। वाशिंगटन से, राष्ट्रपति ट्रंप ने भड़काऊ अंदाज में ईरान की नौसैनिक और हवाई क्षमताओं को अस्तित्वहीन करार दिया है, और एक जली हुई धरती जैसी चेतावनी जारी की है कि होरमुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी जारी रहने पर अमेरिका की प्रतिक्रिया पहले देखी गई प्रतिक्रियाओं की तुलना में 20 गुना अधिक कठोर होगी। उनका मौत, आग और आक्रोश का खौफनाक वादा एक पूर्ण–युद्ध की मुद्रा का संकेत देता है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान को कभी भी एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में दोबारा खड़ा न होने दिया जाए। तेहरान ने इस शत्रुता का जवाब उतनी ही दृढ़ता से दिया है IRGC ने अमेरिकी दावों को महज झूठ कहकर खारिज कर दिया है, और जवाबी कसम खाई है कि यदि ईरान के निर्यात को रोका गया, तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि खाड़ी से शत्रु देशों के लिए एक लीटर तेल भी बाहर न जाए।

रिजल्ट पर स्पष्टता के अभाव का असर

रवि, देश के सर्वोच्च प्रशासनिक ढांचे के लिए अफसरों की भर्ती करने वाली संस्था यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के हालिया परिणामों ने पिछले वर्षों की तुलना में अधिक हलचल पैदा की है। पहले दो दिनों तक सफल उम्मीदवारों में एक ही नाम की दो आकांक्षा सिंह को लेकर खबरें चर्चा में रहीं। इस मामले की जांच के बीच एक अन्य अभ्यर्थी ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्हें 2024 में सामान्य वर्ग से भारतीय पुलिस सेवा मिली थी, पर 2025 में उन्होंने अपना वर्ग सामान्य के बजाय ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) घोषित कर दिया। आइपीएस बनने के बाद ऐसा कैसे संभव है? पिछले पांच वर्षों में ऐसे कई मामले यूपीएससी, अदालतों और कार्मिक मंत्रालय के सामने आ चुके हैं। कहीं न कहीं नियमों में लचीलेपन, स्पष्टता का अभाव और स्थानीय प्रशासन में भ्रष्टाचार के कारण ऐसी स्थितियां पैदा हो रही हैं। तीन वर्ष पहले महाराष्ट्र की पूजा खेडकर का मामला भी सामने आया था, जिसमें आरोप लगा कि उन्होंने कई नियमों की अनदेखी करते हुए आइएएस सेवा प्राप्त की।

फर्जी एससी–एसटी प्रमाणपत्रों से जुड़े भी अनेक मामले यूपीएससी के सामने आ चुके हैं। यही कारण है कि हाल में यूपीएससी ने इन गड़बड़ियों को ध्यान में रखते हुए आवेदन प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताओं को रोका जा सके। इस बार के परीक्षा परिणाम में एक और तथ्य ने ध्यान खींचा। वह है आदिवासी कोटे में 73 में से एक जनजाति के करीब 30 प्रतिशत अभ्यर्थियों का चयन। ऐसे छात्र, जो दिल्ली जैसे महानगरों में पैदा हुए, आधुनिक सुविधाओं के बीच पले–बढ़े और अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में पढ़े, यदि आदिवासी कोटे का लाभ ले रहे हैं तो क्या वे उन सैकड़ों जरूरतमंद आदिवासियों का हक नहीं छीन रहे, जिनके लिए यह व्यवस्था बनाई गई है। इस बार भी अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं के बीच असमानता का प्रश्न उतना ही महत्वपूर्ण बना हुआ है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों का चयन मुश्किल से पांच प्रतिशत तक ही सीमित क्यों रह जाता है, जबकि लगभग 95 प्रतिशत चयन अंग्रेजी माध्यम के उम्मीदवारों का होता है?

इस बार इंटरव्यू के अंकों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। सिविल सेवा परीक्षा की मुख्य लिखित परीक्षा 1,750 अंकों की होती है, जबकि इंटरव्यू के लिए 275 अंक निर्धारित हैं। इस बार के परिणामों के आंकड़े बताते हैं कि लिखित परीक्षा में टापर्स सहित किसी के भी 50 प्रतिशत से अधिक अंक नहीं आए, लेकिन इंटरव्यू में 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना अधिक है। 275 में से 200 या उससे अधिक अंक पाने वाले उम्मीदवारों की संख्या काफी अधिक है। जिस परीक्षा में एक–एक अंक उम्मीदवारों के भविष्य का निर्धारण करता हो, वहां यूपीएससी के इस प्रकार के परिणाम स्वाभाविक रूप से कई गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

इस बार का टापर उम्मीदवार एमबीबीएस डाक्टर है। प्रश्न है कि ऐसे डाक्टर लगातार सिविल सेवाओं की ओर आकर्षित क्यों हो रहे हैं, जबकि विश्व के कई देशों की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति डाक्टरों की उपलब्धता अभी भी बहुत कम है। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं न होने के कारण देश की एक बड़ी आबादी की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में पूरी तरह भागीदारी नहीं कर पाती। इसी तरह आइआइटी जैसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों से पढ़े हुए छात्र भी पिछले लगभग दो दशकों से बड़ी संख्या में सिविल सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं।

दुर्भाग्य की बात यह भी है कि कठिन प्रतियोगी परीक्षा पास कर आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाने वाले अनेक छात्र सिविल सेवा परीक्षा में अपने मूल विषय इंजीनियरिंग को वैकल्पिक विषय के रूप में नहीं चुनते। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत एंथ्रोपोलाजी, राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र जैसे विषयों को चुनते हैं। कई बार वे संस्कृत, मैथिली या अन्य भारतीय भाषाओं को भी वैकल्पिक विषय के रूप में लेते हैं। यह प्रवृत्ति सिविल सेवा परीक्षा की संरचना और विषय चयन की प्रकृति को लेकर भी कई प्रश्न खड़े करती है। ये सभी प्रश्न नए नहीं हैं, लेकिन अब उन्होंने विकराल रूप धारण कर लिया है।

किसी भी जीवंत समाज के लिए प्रश्न उठाना और उन पर गंभीर चर्चा करना आवश्यक होता है। यह देश के शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि इन प्रश्नों के हल के लिए ठोस पहल करे। बेहतर होगा कि 1979 में गठित दौलत सिंह कोठारी समिति द्वारा तैयार प्रशासनिक सेवाओं के ढांचे की व्यापक समीक्षा की जाए। उस समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार की गई व्यवस्था आज भी कुछ परिवर्तनों के साथ लागू है, इसलिए समय की आवश्यकताओं के अनुसार उसका पुनर्मूल्यांकन किया जाए। एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि सफल उम्मीदवारों में कार्य के प्रति निष्ठा, सादगी, ईमानदारी और सच्चे जनसेवक बनने की भावना कैसे विकसित की जाए। यह कार्य आसान नहीं है, फिर भी यूपीएससी की प्रतिष्ठा और प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है।

ईरान की अडिग रहने की रणनीति

शिवकांत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यदि यह सोचते थे कि शीर्ष नेतृत्व के खत्म हो जाने और पंद्रह दिनों की भीषण बमबारी झेलने के बाद ईरान हाथ खड़े कर देगा तो वह शायद उनकी भूल थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मिसाइल हमले में मारे जाने के बाद उनकी गद्दी पर बैठे उनके बेटे मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले ही संदेश में खून का बदला खून से लेने का एलान करते हुए पड़ोस के खाड़ी देशों को चेतावनी दी कि वे अपने यहां बने अमेरिकी अड्डों को बंद करें। हालांकि उनके संदेश की जिस बात ने पूरी दुनिया के बाजारों और कारोबारों में हड़कंप मचाया वह दुश्मनों को मात देने के लिए होर्मुज जलमार्ग का हथियार की तरह इस्तेमाल करने के बारे में था। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस इसी मार्ग से होकर जाता है, जिसका 60 प्रतिशत से अधिक चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और हिंदचीन के देशों को जाता है।

हड़कंप को शांत करने के लिए ट्रंप ने लड़ाई के लगभग पूरा हो जाने की बातें कीं। ईरान को धमकी दी कि होर्मुज बंद किया तो बीस गुना भीषण हमले झेलने होंगे। कभी होर्मुज से जाने वाले जहाजों का बीमा करने की बात उछाली। कभी जहाजों के अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने की बातें कीं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने आपात रिजर्व से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने की घोषणा की। साथ में ट्रंप ने रूस के जहाजों पर लदे करीब 35–40 करोड़ बैरल तेल की बिक्री से एक महीने के लिए प्रतिबंध हटा लिए, लेकिन जहाजों पर ईरान के छिटपुट हमलों और उसकी धमकी से फैले आतंक के सामने किसी घोषणा की एक न चली। होर्मुज से जहाजों का यातायात लगभग ठप रहा और कच्चे तेल के दाम 100 डालर प्रति बैरल पार कर गए।

अमेरिका और इजरायल का दावा है कि उन्होंने ईरान की हवाई, नौसैनिक और मिसाइल निर्माण एवं मारक क्षमता खत्म कर दी है। शीर्ष नेतृत्व मारा जा चुका है, इसलिए देश में कोई व्यवस्था नहीं बची है, मगर उनके ये दावे जमीनी हकीकत पर खरे नहीं उतरते। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों की संख्या घटी जरूर है, पर हमले जारी हैं और इजरायल, अमेरिका एवं खाड़ी के देशों के सुरक्षा कवचों को भेद भी रहे हैं। ईरानी राष्ट्रपति महमूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अराघची के बयानों और हावभाव में किसी तरह की घबराहट या चिंता दिखाई नहीं दे रहीं।

मोजतबा खामेनेई के चुनाव को लेकर अवश्य 88 मुजाहिदों की मजलिस–ए–रहबरी के बीच कुछ विवाद होने की खबरें हैं, क्योंकि

इस्लामी क्रांति का मकसद वंशवादी राजशाही को हटाकर ऐसी मुल्लाशाही स्थापना करना था जिसके नेता का चुनाव योग्यता के आधार हो। मोजतबा खामेनेई का चुना जाना वंशवाद का ही प्रतीक है। इसलिए चर्चा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लरिजानी मोजतबा के चुनाव से खुश नहीं हैं। मोजतबा आइआरजीसी या रेवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं और गरमपंथी माने जाते हैं। इसलिए लगता है कि एक तो आइआरजीसी ने उनके चुनाव का समर्थन किया और दूसरे 28 फरवरी के हमले में घायल होने के कारण उन्हें रमजान युद्ध के योद्धा के रूप में भी पेश किया गया।

ईरानी मुल्लाशाही ने व्यवस्था का गठन इस तरह किया है कि सत्ता इस्लाम और फलस्तीनी संघर्ष में निष्ठा रखने वाले लोगों के हाथों में ही रहे। साथ ही शीर्ष नेतृत्व का सफाया हो जाने पर भी दुश्मन का प्रतिरोध और व्यवस्था चलती रहे। मोजाइक प्रतिरक्षा या रक्षा–जाल नाम की व्यवस्था का गठन आइआरजीसी के कमांडर मोहम्मद अली जफारी ने किया था। सेना की कमान को देश के तीस प्रांतों की स्वायत्त टुकड़ियों में बांट दिया गया है जो संकट की स्थिति में पहले से तय कमान के आधार पर स्वायत्त होकर अपनी–अपनी कार्रवाई करती रहती हैं। यह व्यवस्था अमेरिका और इजरायल के हमलों में केंद्रीय कमान के खत्म हो जाने पर लड़ाई और देश की व्यवस्था जारी रखने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस रणनीति को ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने हमला शुरू होने के बाद के एक इंटरव्यू में उजागर किया था।

ईरान की रणनीति लड़ाई को जितना हो सके उतना फैलाना है। साथ ही, होर्मुज जलमार्ग को हमलों के आतंक से बंद करके अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का गला दबाना है, ताकि अमेरिका और उसके मित्रों को अधिक से अधिक आर्थिक चोट पहुंचे और वे उस पर इस तरह की भूल दोबारा न करने का दबाव डालें। इसके लिए उसने सस्ते और मारक ड्रोनों और मिसाइलों का जखीरा तैयार कर रखा है। उसमें से अधिकांश को नष्ट कर देने पर भी उसके पास इतनी क्षमता है कि वह कई महीनों तक छिटपुट हमले जारी रखकर आतंक बनाए रख सकता है। होर्मुज के अलावा उसके पास हूतियों की मदद से लाल सागर जलमार्ग को बंद करने का विकल्प बाकी है, जिसके जरिये वह इस युद्ध की आर्थिक चोट को और बढ़ा सकता है।

इसके विपरीत ट्रंप की रणनीति हवाई और नौसैनिक हमलों से आनन–फानन में ईरानी सेना की हवाई और नौसैनिक शक्ति, मिसाइल और ड्रोन ठिकानों और शीर्ष नेतृत्व को खत्म करके सत्ता परिवर्तन करने या ईरान को पश्चिम एशिया के लिए निरापद बनाकर लौट जाने की थी। उनके निरंतर बदलते वक्तव्यों को सुनकर लगता है कि यह लड़ाई उनके अनुमान से कहीं लंबी खिंच चुकी है, जिसे लेकर वे तिलमिलाए हुए हैं। लगता है ईरान ने 'चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊं' के अंदाज में अपने सीमित साधनों से होर्मुज को बंद करके और खाड़ी देशों का तेल उत्पादन और यातायात ठप करके ट्रंप की दुखती रग पकड़ ली है। यदि खाड़ी का तेल उत्पादन जल्दी बहाल नहीं हुआ और होर्मुज नहीं खुला तो तेल एवं गैस के दाम और चढ़ सकते हैं। उसका असर अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, ब्याज दरें घटनी बंद हो जाएंगी, बजट बिगड़ेंगे और दैनिक खर्च की मार से नाराज लोग नवंबर के कांग्रेस और सीनेट के चुनाव में ट्रंप की पार्टी को हरा सकते हैं। कांग्रेस और सीनेट में बहुमत खोने पर ट्रंप को महाभियोगों का सामना करना पड़ सकता है। ईरान में सत्ता परिवर्तन हो न हो, पर आर्थिक संकट की वजह से अमेरिका और यूरोप के देशों में जरूर हो सकता है।

आर्थिक आपदा बनता युद्ध, विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा

संजय

अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हुए ईरान पर जो हमला किया, वह अमेरिकी कानूनों के हिसाब से भी अवैधानिक है। इस युद्ध के कारण विश्व में गैस और तेल का जो संकट पैदा गया है, उसके समाधान का कोई उपाय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं दिखता। लगता है उन्होंने इस पर कोई विचार ही नहीं किया कि ईरान पर हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति में जो बाधाएं खड़ी होंगी, उनसे कैसे निपटा जाएगा।

ईरान इजरायल के साथ खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर भी हमले कर रहा है और उसने होर्मुज समुद्री मार्ग को भी बाधित कर रखा है, जहां से 20–30 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। ईरान ने होर्मुज मार्ग बंद करने और इस चेतावनी के बाद कि दुनिया 200 डालर प्रति बैरल तक तेल खरीदने के लिए तैयार रहे, यह कहा कि यहां से निकलने वाले जहाजों को हमारी नौसेना को सूचित करना होगा, लेकिन जब तक इस मार्ग से गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध ढंग से नहीं होने लगती, तब तक ऊर्जा संकट के समाधान को लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता।

चूंकि खाड़ी देश तेल–गैस की आपूर्ति होर्मुज से करते हैं, इसलिए वे ईरान के रवैये पर निर्भर हैं। स्वाभाविक रूप से भारत और चीन जैसे देशों को होर्मुज मार्ग बाधित होने से खासी परेशानी हो रही है, क्योंकि वे अपने ऊर्जा स्रोतों के लिए एक बड़ी हद तक खाड़ी के देशों पर आश्रित हैं। यह राहत की बात है कि भारतीय प्रधानमंत्री की ईरान के राष्ट्रपति और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता के बाद ईरान ने संकेत दिए कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज से आने देगा।

नई दिल्ली में ईरान के राजदूत ने भी भारत को मित्र देश बताते हुए ऐसे ही सकारात्मक संकेत दिए और दो भारतीय जहाजों को इस जल मार्ग से आने की इजाजत मिल भी गई, लेकिन यह अभी साफ नहीं कि भविष्य में सभी भारतीय जहाज होर्मुज से बिना किसी परेशानी के गुजरते रह सकते हैं या नहीं? खाड़ी के देशों में तेल और गैस का उत्पादन प्रभावित होने और वहां से उनकी आपूर्ति बाधित होते ही उनके दाम बढ़ने लगे हैं और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा पैदा हो गया है। यह एक नई आर्थिक आपदा बन रहा है।

तेल, गैस, उर्वरकों पर निर्भर तमाम भारतीय उद्योगों के समक्ष भी संकट गहराने लगा है। कुछ तो बंद होने की कगार पर हैं या फिर अपना उत्पादन कम करने को विवश हैं। खाड़ी देशों से तेल और गैस की सप्लाई रुक जाने से भारत समेत विश्व भर में महंगाई बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी पैदा होने का भी खतरा है। इस खतरे के लिए सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ही उत्तरदायी हैं, जिन्होंने अपनी जिद और अहंकार में नतीजों की परवाह किए बिना इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया।

खाड़ी के देशों से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने से देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल का संकट तो नहीं दिखाई दे रहा है, लेकिन रसोई गैस की किल्लत नजर आने लगी है। रेहड़ी वालों से लेकर रेस्त्रां और होटल तथा आम उपभोक्ता उसकी किल्लत बढ़ती देख रहे हैं। हालांकि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि तेल एवं गैस की कमी नहीं है, लेकिन जमाखोरों, कालाबाजारियों के कारण गैस का संकट खड़ा होता दिख रहा है। मुनाफाखोर इस संकट को अपने लिए एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

चूंकि गैस संकट पैदा होने का खतरा पैदा हो गया है, इसलिए आम लोग भी चिंतित हैं। इसका ही नतीजा है कि कई स्थानों पर रसोई गैस एजेंसियों के सामने लंबी–लंबी लाइनें दिख रही हैं। इससे लोग और अधिक आशंकित हो रहे हैं। विपक्षी दल इस आशंका को और हवा दे रहे हैं। हालांकि सरकार ने गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है और हालात पर निगरानी के लिए एक समिति गठित कर दी है, पर अभी इन कदमों का सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। यह तब तक नहीं दिखेगा, जब तक राज्य सरकारें गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्ती नहीं बरततीं। यह अच्छा हुआ कि सरकार ने राज्यों को पीडीएस के तहत अतिरिक्त केरोसिन जारी करने का फैसला किया। ईरान पर और हमले की धमकियों के बीच अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों को रूस से तेल खरीदने पर अपनी आपत्ति हटा ली है। यह उसकी मजबूरी को ही दर्शाता है। भारत सरकार रूस से तेल खरीद बढ़ाने के साथ कुछ अन्य देशों से तेल–गैस खरीद के जतन कर रही है, पर जब तक ये सौदे हो नहीं जाते और तेल–गैस आपूर्ति का रास्ता साफ नहीं होता, तब तक राहत की सांस नहीं ली जा सकती। भारत उस वेनेजुएला से भी तेल खरीद रहा है, जहां बीते दिनों अमेरिका ने हमला कर वहां के राष्ट्रपति का अपहरण कर लिया था। निःसंदेह वेनेजुएला में तेल के सबसे अधिक भंडार हैं, पर उनसे तेल का दोहन कठिन है।

इस तेल का शोधन भी आसान नहीं। अब इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका ने जैसे वेनेजुएला पर बिना सोचे–समझे मनमाने तरीके से हमला किया, वैसे ही ईरान पर। तेल संकट दूर करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने अपने इमरजेंसी स्टाक से 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी किया है, लेकिन इसके बाद भी तेल के दाम सौ डालर पार कर गए हैं। चूंकि ईरान जवाबी हमले करने में अभी भी समर्थ बना हुआ है, इसलिए कहना कठिन है कि युद्ध कब खत्म होगा। यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है और उसके चलते खाड़ी के देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित बनी रहती है तो विश्व में ऊर्जा संकट और गहराएगा। इस ऊर्जा संकट के लिए सबसे बड़ा दोषी अमेरिका ही होगा। वह इस युद्ध को जल्द खत्म करने में सक्षम नहीं दिख रहा है। उसके अरबों डालर खर्च हो चुके हैं, पर युद्ध जल्द समाप्त होने के कोई संकेत नहीं। अमेरिका ने सोचा था कि अली खामेनेई को मार देने से ईरान में सत्ता परिवर्तन हो जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ होता नहीं दिखता। मुश्किल यह भी है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई युद्ध खत्म करने के लिए ऐसी शर्तें रख रहे हैं, जिन्हें न तो अमेरिका स्वीकार कर सकता है और न ही खाड़ी के देश।

एलपीजी का विकल्प बने बायोगैस

आदित्य

दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ता भू–राजनीतिक तनाव अब ऊर्जा बाजारों पर भी असर डाल रहा है। एलपीजी की आपूर्ति को लेकर हो रही चर्चाओं ने फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या देश को ईंधन के मोर्चे पर कुछ और घरेलू

स्रोतों को मजबूत करना चाहिए? दरअसल भारत के पास पहले से ही एक ऐसा संसाधन है जिसे अक्सर केवल कचरा समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यही संसाधन शहरों का गीला कचरा और बाजारों से निकलने वाला खाद्य कचरा शामिल है। इन सबका उपयोग बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए किया जा सकता है। इस भविष्य में गैस आपूर्ति का एक घरेलू आधार बन सकता है। यह संसाधन है जैविक कचरा, जो खेतों से लेकर शहरों की रसोइयों तक हर जगह मौजूद है। हर साल भारत में बड़ी मात्रा में जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें खेतों से निकलने वाला फसल अवशेष, पशुओं का गोबर, गैस का उपयोग खाना पकाने, बिजली बनाने या वाहनों को चलाने में किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी) योजना शुरू की थी। इसका लक्ष्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित करना और जैविक कचरे को ईंधन में बदलना है। पिछले कुछ वर्षों में देश में ऐसे कई संयंत्र स्थापित किए गए हैं और उनसे गैस का उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यदि इस व्यवस्था को विस्तार दिया जाए, तो इसका प्रभाव केवल शहरों की रसोइयों तक सीमित नहीं रहेगा। यह कृषि, शहरी प्रबंधन, उद्योग और परिवहन सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है।

भारत के खेतों से हर साल लाखों टन फसल अवशेष और पशुओं का गोबर निकलता है। इन सामग्रियों को संसाधित करने के लिए बड़े बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। यदि ऐसे संयंत्र गांवों और सहकारी समितियों के माध्यम से विकसित किए जाएं, तो हर साल पर्याप्त मात्रा में गैस का उत्पादन किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त आय का स्रोत भी बन सकता है। गोबर और कृषि अवशेष से गैस बनाने के कुछ प्रयोग पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पहले ही शुरू हो चुके हैं। किसान अपने पशुओं का गोबर या खेत का अवशेष गैस संयंत्रों तक पहुंचाते हैं और बदले में उन्हें भुगतान मिलता है। संयंत्र में बनने वाली गैस का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है, जबकि अवशेष जैविक खाद के रूप में फिर खेतों में लौट जाता है। इससे एक चक्र बनता है–कचरा खेत से निकलता है और खाद बनकर फिर खेत में लौटता है।

ऐसी संभावना शहरों में भी मौजूद है। भारतीय शहरों से सालाना छह करोड़ टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें आधे से अधिक जैविक होता है। यदि इस कचरे को अलग करके बायोगैस संयंत्रों तक पहुंचाया जाए तो काफी मात्रा में गैस तैयार की जा सकती है। इंदौर ने बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ बायोगैस परियोजनाओं पर काम किया है, जहां गीले कचरे से ऊर्जा बनाने की पहल हुई है। जमशेदपुर में भी खाद्य कचरे को बायोगैस में बदलने के प्रयोग किए गए हैं। यदि नगर निकाय बाजारों, होटलों और घरों से गीला कचरा व्यवस्थित तरीके से इकट्ठा कर उसे बायोगैस संयंत्रों तक भेजें, तो शहरों को दो लाभ मिल सकते हैं। एक तरफ कचरे की मात्रा कम होगी और दूसरी तरफ गैस का एक स्थानीय स्रोत तैयार होगा।

उद्योग क्षेत्र में भी बायोगैस की भूमिका बढ़ सकती है। खाद्य प्रसंस्करण, डेरी या कपड़ा उद्योग जैसे कई छोटे और मध्यम उद्योग जैविक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। यदि ऐसे उद्योग अपने परिसर में छोटे बायोगैस संयंत्र स्थापित करें, तो वे अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे एलपीजी या अन्य ईंधनों पर होने वाला खर्च भी कम हो सकता है। परिवहन क्षेत्र में भी कंप्रेस्ड बायोगैस का उपयोग बढ़ रहा है। देश में सीएनजी पर चलने वाले वाहन मौजूद हैं और उसी ढांचे में बायोगैस आधारित ईंधन का उपयोग भी किया जा सकता है। कुछ शहरों में आटो–रिक्शा और छोटे ट्रक ऐसे ईंधन का उपयोग करना शुरू कर चुके हैं।

हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि बायोगैस अचानक भारत की पूरी ऊर्जा जरूरतों को बदल देगी। देश की कुल गैस मांग बहुत बड़ी है, लेकिन यदि कृषि, शहरों, उद्योगों और परिवहन में छोटे–छोटे प्रयास जुड़ते जाएं, तो उनका प्रभाव धीरे–धीरे दिखाई दे सकता है। उत्साहजनक बात यह है कि अब कई छोटे, विकेंद्रीकृत और आसानी से स्थापित किए जा सकने वाले बायोगैस सिस्टम उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ प्लग–एंड–प्ले माड्यूलर तकनीकों के रूप में आते हैं, जो होटल, बाजार, हाउसिंग सोसायटी या छोटे उद्योगों के स्तर पर ही जैविक कचरे को गैस में बदलने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं।

परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन का माडल धीरे–धीरे बड़े केंद्रीकृत संयंत्रों से हटकर अधिक स्थानीय प्रणालियों की ओर बढ़ सकता है। वर्तमान में भारत में जैविक कचरे का बड़ा हिस्सा बेकार चला जाता है। खेतों में फसल अवशेष जला दिए जाते हैं, शहरों में गीला कचरा लैंडफिल में जमा हो जाता है और रसोई का कचरा शहरों के बाहर डाला जाता है, लेकिन यदि इसी कचरे को एक संसाधन के रूप में देखा जाए, तो तस्वीर काफी अलग हो सकती है। संभव है कि वही कचरा, जिसे आज समस्या माना जाता है, आने वाले समय में भारत के लिए ईंधन का एक छोटा, लेकिन स्थिर स्रोत बन जाए।

19 केंद्रों पर हुई दो दिवसीय एसआई भर्ती परीक्षा सम्पन्न, दूसरे दिन हजारों अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित दो दिवसीय पुलिस सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा रविवार देर शाम सकुशल संपन्न हो गई। यह परीक्षा जिले के 19 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आयोजित की गई। दूसरे दिन की परीक्षा में कुल 15,840 परीक्षार्थियों में से 10,909 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 4,031 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा के दोनों दिन सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। किसी भी परीक्षार्थी को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं थी। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों के बेल्ट और जूते उतरवाए गए। इस परीक्षा में आजमगढ़, बलिया सहित कई अन्य जिलों के परीक्षार्थी भी शामिल हुए। शनिवार को हुई परीक्षा में भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में कुल 7,920 परीक्षार्थियों में से 5,763 उपस्थित हुए, जबकि 2,157 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 7,920 परीक्षार्थियों में से 5,852 ने परीक्षा दी और 2,068 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 19 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 19 केंद्र व्यवस्थापक और लगभग 700 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गई थी।

मनबढ़ों ने कार सवार भाइयों को पीटकर किया लहूलुहान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जलालपुर क्षेत्र के सैदपुर गांव में स्थित पुलिया के पास रविवार की देर रात को बाइक सवार मनबढ़ों ने कार सवार दो भाइयों को मारपीट कर घायल कर दिया।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर कार्यवाही में जुट गयी। जफराबाद क्षेत्र के सखोई गांव निवासी जंगबहादुर यादव व कुंवर बहादुर यादव परिवार के कुछ सदस्यों के साथ कार से केराकत के बेलाव बाजार गए थे।वहां खरीददारी में कुछ सामान नही मिला।वे लोग उसे लेने कल्याणपुर बाजार आ रहे थे।बेलाव पूल के पास एक बाइक पर आ रहे लोगों से पूल के पास ओवरटेक करने को लेकर कुछ कहासुनी हो गयी।उसके बाद जब कार ऊक्त पुलिया के पास पहुंची थी कि वही बाइक सवार युवक कार को ओवरटेक करके रुकवा लिये।कार रुकते ही उन तीनों ने लोहे के पंच से जंगबहादुर के ऊपर हमला कर दिया।यह देख कर उसका भाई कार से बाहर निकल कर उन तीनों को रोकने का प्रयास किया।जिस पर उन तीनों ने उसके ऊपर भी हमला कर दिया।मारपीट के दौरान कार में सवार महिला शोर मचाने लगी।उसी समय हुसेपुर गांव निवासी शैलेश यादव अपने एक साथी के साथ बाइक से वहां पहुंच गया।दोनो ने किसी प्रकार दोनो को छुड़ाया।उसके बाद तीनों भाग गए।वही दोनो भाई कल्याणपुर बाजार में एक चिकित्सक के पास आकर दवा उपचार करवाने लगे।उसी समय गश्त कर रही थानाध्यक्ष ऋतु जैन व सहयोगी श्रीप्रकाश शुक्ल मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।घटना स्थल पर गए।वहां से जलालपुर थानाप्रभारी गजानन्द चौबे को जानकारी दिया।वह एस आई रामअवतार को मय फोर्स मौके पर भेजे।

बिजली विभाग ने काटा प्राथमिक विद्यालय का कनेक्शन,पेयजल के लिए नौनिहाल बेहाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद कस्बे में स्थित प्राथमिक विद्यालय का बिजली कनेक्शन काट दिया।जिसके चलते नौनिहालों को पानी पीने की समस्या हो गयी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती छाया सिंह ने बताया कि विद्यालय में पहले सामान्य मीटर लगा था।उसके बाद स्मार्ट मीटर लगाया गया।पिछले महीने तक स्मार्ट मीटर काम कर रहा था।अचानक शनिवार को बिजली का कनेजशन काट दिया गया।जब बिजली विभाग से जानकारी

किया गया तो पता चला विद्यालय प्रीपेड मीटर लग गया है।19 हजार के बकाए के चलते कनेक्शन काट दिया गया।है।प्रधानाध्यापिका छाया सिंह ने बताया कि बिजली विभाग ने प्राथमिक विद्यालय को प्राइवेट दर्शाया है।सोमवार को बच्चों को एमडीएम खाना खाने के बाद पानी की बहुत बड़ी समस्या आ गयी है।बच्चो को पीने के लिए अध्यापकों ने अपने पैसे से आरओ का पानी का बोतल मंगवाया।हालांकि की विद्यालय में एक हैण्डपम्प है।जो खराब हालत में है।उसका पानी गन्दा आता है।उसकी भी शिकायत नगर पंचायत में की जा चुकी है।उसे आज तक ठीक नही करवाया गया है।सोमवार को बच्चो ने हाथ मे थाली लेकर प्रदर्शन किया।

जौनपुर में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर की मूर्ति ढक कर किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में 5 मार्च को भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है । 5 मार्च को जौनपुर के दीवानी न्यायालय और जिलाधिकारी आवास के बगल स्थित तिराहे पर अज्ञात अराजकतत्वों ने बीती रात बाबा साहेब की प्रतिमा के चेहरे पर कालिख पोत दी थी । सुबह जब लोगों ने प्रतिमा को इस हालत में देखा तो इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन और बसपा नेताओं को दी थी। सोमवार की दोपहर 2 बजे भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष एसपी मानव के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ताओ ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए डॉ भीम राव अम्बेडकर की मूर्ति को कपडे से धक दिया।यह प्रदर्शन डॉ भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा बदलने और अराजक तत्वों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया गया। धरना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे है।

जौनपुर में लॉ छात्र की पीट-पीटकर हत्या, पत्नी से बातचीत को लेकर पट्टीदार ने उतारा मौत के घाट,आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में चंदवक थाना क्षेत्र के गोबरा गांव में रविवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते एक लॉ (विधि) छात्र की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पट्टीदार ने उसे धोखे से बुलाकर वजनी वस्तु से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सच्चिदानंद मिश्र के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात करीब एक बजे मुख्य आरोपी विष्णु मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक सच्चिदानंद का अपने पट्टीदारों से काफी समय से विवाद चल रहा था। उनका आरोप है कि 12 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे जब सच्चिदानंद रतनपुर बाजार जा रहे थे, तब आरोपी ने फोन कर गाली–गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। इस धमकी की कॉल रिकॉर्डिंग भी मृतक के पास मौजूद बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि रविवार रात आरोपी पक्ष ने सच्चिदानंद को बुलाकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।इस मामले में सोमवार को जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत सिंह चौहान ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी विवाद से जुड़ा है। आरोप है कि मृतक आरोपी की पत्नी से फोन पर बातचीत करता था, जिसे लेकर पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गांव में एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रसोई गैस की किल्लत और मूल्य वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव । यूपी के जौनपुर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने नारेबाजी करते हुए धरना–प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुनील कुमार भारती को सौंपा। धरना–प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता मोदी सरकार के झूठे वादों और नाकामियों की सजा भुगत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के कारण गैस एजेंसियों पर लंबी–लंबी कतारें लग रही हैं, जबकि सरकार दावा कर रही है कि सभी को आसानी से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा

रहा है। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि गैस एजेंसियों पर भारी भीड़ लगी हुई है और कई घरों में गैस सिलेंडर न मिलने के कारण चूल्हे तक नहीं जल पा रहे हैं। साथ ही आपदा के समय एलपीजी और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी कर सरकार ने आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि जब से केंद्र में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, तब से देश की जनता को हर सुविधा के लिए लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार के दावे सही हैं तो गैस एजेंसियों पर इतनी भीड़ और लंबी कतारें क्यों दिखाई दे रही हैं। इस दौरान प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, लाल प्रकाश पाल, विनय तिवारी, सभासद शाहनवाज मंजूर, इरशाद खान राजू और शशांक शेखर तिवारी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तुलसी की पैड़ी, तुलसी धाम में निर्माण की उठी मांग

लखनऊ (आर एल पाण्डेय)। डॉ स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन धर्म परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को तुलसी की पैड़ी के संबंध में सनातन धर्म परिषद एवं श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास द्वारा ज्ञापन देकर यह मांग की गई कि श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जन्म भूमि तुलसी धाम राजापुर विकासखंड परसपुर तहसील

करनैलगंज जनपद गोंडा में तुलसी की पैड़ी , सड़क तथा तुलसी घाट के निर्माणार्थ यह अवगत कराया गया कि अयोध्या में राम की पैड़ी तथा हरिद्वार में हरि की पैड़ी की तरह तुलसी जन्मभूमि तुलसी धाम राजापुर गोंडा में तुलसी की पैड़ी का निर्माण कराया जाए जिससे देश–विदेश के श्रद्धालु भक्तगण शोधार्थी तथा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र तुलसी धाम बन सके इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा एवं इस क्षेत्र का समुचित विकास होगा।

'अयोध्या – 'श्री रामराज्य संकल्प वृक्ष' अभियान योजना की प्रस्तुतिरूपरिक्षेत्र के नगरीय एवं ग्रामीणांचल में विभिन्न स्थानों पर किया गया पवित्र संकल्प वृक्ष 'का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ
राजेश कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के दर्शन नगर (साईं का पुरवा) केंद्र पर आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में 'श्री रामराज्य संकल्प वृक्ष' अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। श्री बी के मुकेश जी के सानिध्य में ई. रवि तिवारी ने इस अभियान की योजना प्रस्तावित करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य अयोध्या परिक्षेत्र के जन – जन को दिव्यता और पवित्र संकल्प से जोड़ना है। प्रथम चरण में इस अभियान के लिए ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग के बाबू भाई के विशेष प्रयत्नों से लगभग 1500 से अधिक पवित्र वृक्ष अयोध्या पहुंच चुके हैं । ये वृक्ष विशेष रूप से 'यौगिक नर्सरी' में विकसित किए गए हैं। इन पौधों को 15 मार्च 2026 को साईं का पुरवा गांव में लाया गया, जिन्हें अब अयोध्या जनपद के विभिन्न पवित्र स्थलों और प्रत्येक गांव में रोपित किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी जी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया, श्री राधेश्याम जी ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान की दिव्यता एवं पवित्र साधना रामराज्य के संकल्प को सिद्ध करने वाली है। उन्होंने इस पुनीत कार्य की सफलता के लिए अपना पूर्ण समर्थन दिया।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय राजयोगिनी उषा दीदी से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक और विदेश सम्पर्क विभाग, अवध क्षेत्र भाजपा के क्षेत्रीय संयोजक ई. रवि तिवारी ने जानकारी दी कि उनके विशेष आग्रह पर बाबू भाई द्वारा ये पवित्रतम वृक्ष आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हुए हैं। इन्हें अयोध्या परिक्षेत्र के महत्वपूर्ण धार्मिक और पौराणिक स्थलों के साथ साथ विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीणांचल में स्थापित किया जाएगा। इस महान कार्य में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। बीके मुकेश भाई के संरक्षण में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष (किसान मोर्चा) चन्द्र शेखर तिवारी, जिला संयोजक (प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) बृजेन्द्र दुबे, उद्यमी विपिनेश पाण्डेय, सुशील मिश्रा, राजन सोनी और प्रवीण कुमार सिंह सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रांतीय पत्रकार सम्मेलन में लखनऊ के जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय को किया गया सम्मानित

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

नूरपुर/बिजनौर। बिजनौर के नूरपुर में आयोजित प्रांतीय पत्रकार सम्मेलन में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ के जिला अध्यक्ष आर.एल. पांडेय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह ने उन्हें माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पत्रकारों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती का महत्वपूर्ण स्तंभ है और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले पत्रकार समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का कार्य करते हैं। इस दौरान संगठन की मजबूती, पत्रकारों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर भी विचार–विमर्श किया गया। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी व पत्रकार उपस्थित रहे और पत्रकार एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

समयबद्ध मूल्यांकन के प्रभावी अनुश्रवण के लिए गठित हुआ मण्डलीय कण्ट्रोल रूम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यू पी बोर्ड परीक्षा 2026 के नकलविहीन सफल समापन के उपरान्त अब दिनांक 18 मार्च 2026 से 1 अप्रैल 2026 तक आयोजित हो रहे केन्द्रीय मूल्यांकन कार्य के प्रभावी अनुश्रवण के लिए संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ०प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों (लखीमपुर खीरी, सीतापुर,उन्नाव, लखनऊ,रायबरेली, हरदोई,) में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के उत्तर पुस्तिकाओं के समयबद्ध मूल्यांकन के लिए मण्डलीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना जे०डी०कार्यालय शिक्षा भवन लखनऊ में की गई है, मण्डलीय कन्ट्रोल रूम में मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ०दिनेश कुमार को नियंत्रण कक्ष का नोडल बनाया गया है तथा मण्डलीय कण्ट्रोल रूम में तीन अनुभवी सदस्यों के रूप में वन्दना तिवारी,नीलिमा द्विवेदी प्रवेश सोनी व अनुप्रिया तिवारी को नियुक्त किया गया है। मण्डलीय कन्ट्रोल रूम लखनऊ मण्डल के सभी 6 जनपदों में बनाये गए सभी मूल्यांकन केन्द्रों में बोर्ड सचिव द्वारा जारी किए गए निर्देशानुसार प्रतिदिन मूल्यांकित

किये जाने वाले उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या,प्रत्येक मूल्यांकन केन्द्र पर बोर्ड स्तर से नियुक्त किये गए उप प्रधान परीक्षकों (डी०एच०ई०), तथा परीक्षकों की संख्या,उनकी उपस्थिति,प्रत्येक मूल्यांकन केन्द्र पर उपनियंत्रक द्वारा नियुक्त के०मु०हा०–9 प्रपत्र से नियुक्त किये गए परीक्षकों की संख्या ,मूल्यांकन कार्य की प्रगति व मूल्यांकन प्रतिशत पर पैनी नजर रखेगी, मण्डलीय कन्ट्रोल रूम 18 मार्च 2026 से सक्रिय होगा। समयबद्ध मूल्यांकन के लिए मण्डल के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ०प्रदीप कुमार सिंह ने भी पूरी सतर्कता बर्तते हुए जारी गाइडलाइंस के अनुरूप लगातार पर्यवेक्षण करते रहने के भी निर्देश दे दिए हैं,साथ ही मूल्यांकन की प्रगति से मण्डलीय कन्ट्रोल रूम को लगातार सूचित करने के भी निर्देश दिये हैं। मण्डलीय कण्ट्रोल रूम नोडल डॉ०दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों में स्थापित किये गए कुल 23 मूल्यांकन केन्द्रों में जनपदवार मूल्यांकन केन्द्रों की स्थिति निम्नलिखित है 1– लखनऊ जनपद में कुल 5 मूल्यांकन केन्द्र जिनमें 3 हाईस्कूल स्तर व 2 इण्टरमीडिएट स्तर के उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए

2– सीतापुर में कुल 4 जिनमें दो हाईस्कूल व दो इण्टर स्तर के लिए

3–लखीमपुर खीरी जनपद में कुल 3 मूल्यांकन केन्द्र जिनमें दो हाईस्कूल स्तर के लिए एक इण्टर स्तर के लिए

4–उन्नाव जनपद में 4 मूल्यांकन केन्द्र जिनमें दो हाईस्कूल व दो इण्टर स्तर के लिए

5– रायबरेली जनपद में कुल 4 मूल्यांकन केन्द्र जिनमे दो हाईस्कूल व दो इण्टर स्तर के लिए

6–हरदोई जनपद में कुल 3 मूल्यांकन केन्द्र जिनमे 2 हाईस्कूल स्तर व एक इण्टर स्तर के उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य सम्पन्न करेंगे

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम सहित अन्य प्रमुख रेलवें स्टेशनों का किया विंडो व स्थलीय निरीक्षण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रविवार को महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे राजेश कुमार पांडे ने मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ, सुनील कुमार वर्मा तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), जयंत चौधरी के साथ लखनऊदृ दर्शन नगर रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मल्हौर, बाराबंकी, अयोध्या कैंट,अयोध्या धाम तथा दर्शन नगर रेलवे स्टेशनों का भी निरीक्षण किया।उन्होंने इन स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।बताते चलें कि महाप्रबंधक उत्तर रेलवे राजेश कुमार पांडे लखनऊ से चलकर दर्शन नगर तक रेल कांड विंडो निरीक्षण किया।इसके साथ ही साथ उन्होंने मल्हार बाराबंकी अयोध्या कैंट अयोध्या धाम तथा दर्शन नगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण भी किया।निरीक्षण के दौरान अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर उन्हें कई कमियां भी मिली।जिसमें खास कर साफ सफाई, प्रतीक्षालय अयोध्या कैंट के सामने अवैध रूप से कड़ी वाहनों के चलते जाम लगना,अतिक्रमण व रेल यात्रियों से संबंधित भी कई समस्याओं से अवगत हुए।इस मौके पर यहां पर मौजूद रेल यात्रियों तथा आसपास के लोगों ने बताया कि सबसे अधिक परेशानी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के सामने ई रिक्शा व आटो का भारी संख्या में तथा अजीबो गरीब ढंग से खड़ा होना।इधर से गुजरने वाले राहगीरों तथा इस स्टेशन से सफर करने वाले रेल यात्रियों ने बताया कि सबसे अधिक मुसीबत तो यहां पर उस समय हो जाती है।जब कोई ट्रेन अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आकर रूकती है तो ई रिक्शा और ऑटो चालक बाहर की तो छोड़िए रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर जाकर रेल यात्रियों को अपनी ओर खींचते हुए देखे जा सकते हैं और जबरन बिठाते है। जिसे काफी गंभीरता से लेते हुए महाप्रबंधक उत्तर रेलवे राजेश कुमार पांडे ने वहां पर मौजूद रेल अधिकारियों व अन्य कर्मियों को दूर करने का सख्त से सख्त निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुँचे,जहाँ उन्होंने स्टेशन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया तथा स्टेशन पर द्वितीय चरण से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्टेशन अधीक्षक पी आर मीणा, प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या कैंट हरीश शाही, सीआईटी अभिमन्यु सिंह, प्रभारी निरीक्षक जीआरपी समर बहादुर सिंह, संतोष जोशी सहित अन्य रेल अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

सदानंद शाही अपनी कविताओं से स्मृति के एक समृद्ध इलाके में ले जाते हैं - स्वप्निल श्रीवास्तव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जनवादी लेखक संघ और प्रगतिशील लेखक संघ फैजाबाद द्वारा संयुक्त रूप से बीएचयू के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष और प्रख्यात कवि–लेखक–संपादक प्रो सदानंद शाही के कविता संग्रह श्संगतराशश पर केंद्रित श्पुस्तक चर्चा और काव्यपाठ का आयोजन जनमोर्चा सभागार में किया गया।इस अवसर पर आत्मवक्तव्य देते हुए प्रो शाही ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि लगभग दो दशक पहले उनके पहले संग्रह पर भी इसी शहर में बातचीत हुई थी।उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में मानवीयता और संवेदना के समक्ष इतने खतरे मौजूद हैं कि कविता की जरूरत अब पहले से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि मैं खुद को कविता–संसार का स्थायी नागरिक या विधिवत कवि नहीं मानता लेकिन मैं कविताएं लिखता रहा हूँ। उन्होंने अपने संग्रह श्संगतराशश के बारे में बात करते हुए कहा कि इसकी प्रतिनिधि कविता के केंद्र में बनारस है, जिसे हम सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जानते हैंय यह बहुत प्राचीन और शायद दुनिया का प्राचीनतम जीवित शहर है लेकिन इसके भीतर भी कई तरह की क्रूरताएं मौजूद हैं जिनपर हमारी दृष्टि कम ही जाती है। इन चीजों की छवियां आपको इस संग्रह की कविताओं में दिखाई पड़ेंगी। उन्होंने कहा कि कविता मुख्य रूप से जीवन यथार्थ पर एक भावात्मक प्रतिक्रिया होती है। कविता को मनुष्यता की मातृभाषा कहा गया है। प्रो शाही ने उपस्थित साहित्यप्रेमियों के समक्ष अपने कविता–संग्रह से श्संगमश, श्मँझली मामीश, श्संगतराशश, श्गांधीनामाश सहित कई महत्वपूर्ण कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि शाही जी की इन कविताओं को पढ़ते हुए मुझे अपना जीवन याद आता रहा। उन्होंने कहा कि इस संग्रह में श्मँझली मामीश सहित चरित्रों पर जो कविताएँ हैं वे काव्य में कहानी के प्रवेश का उदाहरण हैं। इनमें अनुभूति की जो सघनता है वह विरल है, वे अपनी कविताओं से हमें स्मृति के एक समृद्ध इलाके में ले जाते हैं। उनके अनुसार शाही जी अगर बनारस में पैदा हुए होते तो शायद वैसी कविताएँ न लिख पाते जो उनके भीतर के गोरखपुर और आसपास के इलाके ने संभव की हैं। यथार्थ में स्थानीयता का जो अंग उनके यहाँ है वह अद्भुत है और श्गांधीनामाश समय से संवाद करती एक विलक्षण कविता है। एक कवि और संस्कृतिकर्मी के रूप में उनकी जिजीविषा अनूठी है। अपने वक्तव्य में वरिष्ठ आलोचक रघुवंशमणि ने कहा कि शाही जी एक व्यक्ति, कार्यकर्ता और प्रशासक के रूप में अत्यंत संघर्ष के दौर से गुजरे हैं। वे कई संस्थाओं को निर्मित करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सत्ता ने मूल्यों को शुद्ध राजनीति से प्रतिस्थापित कर दिया है। ऐसे दौर में ये कविताएँ मानवीय मूल्यों की स्थापना के लक्ष्य की सहायक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि साहित्य की अपनी एक दुनिया है जिसकी आपूर्ति किसी अन्य क्षेत्र से नहीं हो सकती। कविता का आदर्श है कि हम पूरी तरह मनुष्य बनें इसलिए हमारी सापेक्षिक स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए। साहित्य दूसरे अनुशासनों का उपनिवेश मात्र नहीं है, बल्कि वह जगह है जहाँ आदमी की सही पहचान की जा सकती है। शाही जी की कविताओं में हमें एक ऐसी संवेदनशील दुनिया का स्वप्न दिखता है जिसकी तलाश जरूरी है। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में कवि–प्राध्यापक विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि समय और वर्तमान की वास्तविकताओं के साथ ही अधिक सान्द्र रूप में स्मृति, परम्पराबोध और एक विरल अनुभव संसार प्रो शाही की कविताओं में मौजूद है। वे मुख्यधारा के कवि न होकर समांतर किंतु अधिक मौलिक और सशक्त धारा के कवि हैं। वे प्रोपगैंडा और रूखी विचारबहुल प्रतिबद्धता के कवि न होकर जीवनधारा में चलते हुए हर दिखती हुई चीज को प्रेम करते हुए चलने वाले कवि हैं। उन्होंने कहा कि श्संगमश कविता श्रम के लगभग पराजित संघर्ष को सामने रखती है। यह थके हारे टूटे और फिर भी सघर्षरत मनुष्य की कविता है। उन्होंने 'कविता की समझ' कविता के संदर्भ में ओसिप मैंडेलस्टाम की कविता 'वी लिव विदाउट फीलिंग द कंट्री बिनीथ अस', जिसे स्टालिन एपिग्राम के नाम से भी जाना जाता है का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शाही जी खाली जगहों को भरने वाले कवि हैं, रिक्तियों, उदासियों और नेपथ्यों में छिपी काव्य–वस्तुओं को सामने लाने और अलग ढंग से बरतने का काम उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से किया है। महज 'हास्यबोध' नहीं बल्कि साहित्यिक परम्परा के जाग्रत प्रतिनिधि और सर्जक के तौर पर अपने भीतर देखती हुई एक सजग आत्मालोचक दृष्टि उनकी कविताओं में केन्द्रीय रूप में मौजूद है। वरिष्ठ दलित साहित्यकार सी बी भारती ने कहा कि स्त्री विमर्श और मनुष्यत्व की जो शृंखलाएँ हैं वे सब शाही जी कविता में मौजूद हैं। श्मँझली मामीश कविता के बिना हिंदी की स्त्रीविमर्शपरक कविता का आकाश संभव नहीं होगा। शाही जी श्रमजीविता और मनुष्यता के पक्षधर कवि हैं और स्वस्थ मानव समाज की निर्मिति के प्रस्तावक हैं। चिंतक–विचारक और प्रलेस के सचिव आर डी आनंद ने कहा कि कवि अत्यंत कोमल हृदय का स्वामी होता है लेकिन अंततः वह सच्चाई ही लिखता है। उनके अनुसार एक कवि भौतिक पारिस्थितियों के मनोविज्ञान को समझता है। उन्होंने बताया कि अफ्रीका के कवि बेंजामिन को कविता लिखने के लिए फाँसी चढ़ा दिया गया था। उन्होंने कहा कि सत्ता कविता से इसलिए डरती है कि वह कहीं उसके विरोध में जनमत न तैयार कर दे। ऐसे में कवियों का धर्म है कि वह यथार्थ का केवल विवेचन न करे बल्कि क्रांति के लिए परिवर्तन भी लाने का काम करे। जनवादी लेखक संघ के अध्यक्ष मो जफर ने कहा कि यह संग्रह एक विद्वान की भावनात्मक अभिव्यक्ति का परिचायक है। कवि अनिल कुमार सिंह ने कहा कि शाही जी की कविताओं में मानवीयता और संवेदनशीलता के विविधा पक्ष दृष्टिगत होते हैं। कवयित्री पूजा श्रीवास्तव ने प्रो शाही की कविताओं को युवा कवियों के लिए प्रेरक के रूप में रेखांकित किया। इससे पहले कार्यक्रम का संचालन कर रहे शायर और जलेस के कोषाध्यक्ष मुजम्मिल फिदा ने विस्तार से प्रो शाही का परिचय देते हुए उनके संग्रह की खास बातों की ओर इशारा किया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में कार्यक्रम संयोजक सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि प्रो शाही जी की कविताएं अत्यंत सहज भाषा और भंगिमा लिए हुए होती हैं जिन्हें समझने के लिए किसी बौद्धिक मशक्कत की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार आशाराम जागरथ, डॉ परेश कुमार पांडे, राम सुरेश शास्त्री, अशोक कुमार तिवारी, जय प्रकाश श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, रवि शंकर चतुर्वेदी, राजीव श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, कुमकुम भाग्या, निर्मल गुप्ता, आफाक अहमद सहित बड़ी संख्या में साहित्यसुधी, संस्कृतिकर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति आगमन को लेकर नगर निगम ने अयोध्या में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी 19 मार्च को अयोध्या आगमन के मद्देनजर नगर निगम ने सोमवार को विशेष सफाई अभियान चलाया।जो आगामी 20 मार्च तक जारी रहेगा।इस मौके पर मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के नेतृत्व में राम की पैड़ी से विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई।इस मौके पर सुबह 8रू00 बजे शुरू हुए सफाई अभियान में बड़ी तादाद में नगर निगम के कर्मचारी और स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़ी महिलाएं भी शामिल रहीं।सफाई अभियान पूरी रामकीपैड़ी, सरयूघाट, नागेश्वर नाथ तथा आसपास के मंदिरों के आसपास चला।इस मौके पर नगर आयुक्त ने पेयजल व्यवस्था का भी

निरीक्षण किया। उन्होंने रामकी पैड़ी एवं आसपास लगाए गए वाटर एटीएम व वाटर क्याक्स के आसपास विशेष सफाई रखने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ एवं भारत भार्गव, महाप्रबंधक जलकर सौरभ श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता सिविल राजपति यादव तथा अन्य लोग शामिल रहे। अधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति के आवागमन मार्ग का भी निरीक्षण कर सफाई, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कुमारगंज पुलिस ने गल्ला व्यापारियों के साथ ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर किया सराहनीय कार्य

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कुमारगंज पुलिस ने गल्ला व्यापारियों के साथ ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसमें शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया।रविवार को इसका खुलासा पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने किया।उन्होंने बताया गिरफ्तार किये गये आरोपी जितेंद्र बहादुर सिंह पुत्र स्वर्गीय नरेंद्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम नौसहरा जनपद गोंडा पुलिस के नाम पर थाना कुमारगंज में एक गल्ला व्यापारी से 9 कुंतल से अधिक सरसों बेचने के नाम पर ध्50000 नगद लेकर आने पर सरसों देने की बात कह कर थाने तक लाकर चाबी लाने के बहाने वहां से फरार हो गया।जब काफी देर तक आरोपी नहीं आया तो व्यापारी को पता चला कि वह ठगी का शिकार हो गया है,'इसके संबंध में उसने थाना कुमारगंज में मुकदमा पंजीकृत कराया था।एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि थाना परिसर मे लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से उक्त आरोपी को प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज संतोष कुमार ने उप निरीक्षक विमल कुमार यादव तथा अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से गिरफ्तार किया।बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी ने इससे पहले भी इस तरह की घटना विभिन्न जिलों के कई थाना क्षेत्र में करने की बात स्वीकार कि है।उसके खिलाफ थाना गौर जनपद बस्ती,थाना रौनाही,थाना इनायत नगर मे मुकदमा पंजीकृत है।पुलिस ने आरोपी के पास से 23000 रुपए नगद,घटना में प्रयुक्त बाइक फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई,एक पुलिस कैप,मोबाइल फोन और आधा दर्जन से अधिक फर्जी नंबर प्लेट बरामद किया है।

बीकापुर विधायक ने पशु चिकित्सा शिविर मेला का फीता काट कर किया शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिले के तहसील बीकापुर मे ग्राम पलिया गोवा, विकास खण्ड–मसौधा, तहसील बीकापुर प० दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा शिविर मेला का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक बीकापुर डॉ अमित सिंह चौहान ने किया।इस मौके पर मुख्य अतिथि बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान ने गौ पूजन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर विधायक ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए समस्त स्टालों का निरीक्षण किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ विवेक कुमार शुक्ल करते हुए पशुपालन विभाग की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय लाइवस्टॉक मिशन की योजनाओं, पशुधन बीमा, कुक्कुट विकास नीति, चारा विकास, टीकाकरण, मोबाइल वेटरनरी यूनिट के साथ विभाग, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान योजना आदि के बारे में जानकारी दिया।वही पशुधन से आय बढ़ाने के संबंध में आवश्यक जानकारी दिया।इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. इन्द्रदेव माहर ने कहा कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना, निराश्रित गो संरक्षण के कुक्कुट विकास नीति नन्द बाबा दुग्ध मिशन आदि योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए पशुपालकों से योजना का लाभ प्राप्त करने की अपील किया।इसके साथ ही पशुपालन में महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्य एवं उससे उत्पन्न स्वरोजगार की सराहना की, पशुपालकों से पशुपालन में नवोन्वेषी तकनीकी अपनाने के साथ–साथ प्रगतिशील एवं सफल पशुपालकों से उनके अनुभवों को साझा करने की जानकारी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आए डॉ अमित सिंह चौहान विधायक बीकापुर ने पशुपालन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहाना करते हुए पशुपालकों को सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे मे जागरूक किया।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन स्वरोजगार का एक मुख्य साधन है।पशु स्वास्थ्य के संबंध में बोलते हुए विधायक ने कहा कि स्वस्थ पशु ही अच्छा उत्पादन दे सकता है,अतः आरोग्य मेले के माध्यम से पशुओं के स्वास्थ्य की जांच एवं आवश्यक दवाएं प्राप्त कर अधिक से अधिक पशुपालक लाभान्वित हो, इसके साथ ही पशुपालकों को पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं यथा माननीय मुख्यमंत्री सहभागिता योजना, राष्ट्रीय पशुधन योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने की बात कही।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय कुमारगंज अयोध्या के प्रोफेशर डॉ. सत्यव्रत सिंह ने पशु औषधि, डॉ सोनू जायसवाल ने शल्य चिकित्सा एवं डॉ. सचिन गौतम ने पशु पोषण से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दिया।पशुपालन विभाग के चिकित्सक डॉ. विवेक शुक्ल ने संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं डॉ. संतोष यादव ने पशु चिकित्सा में अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग कर चिकित्सा सेवा प्रदान की।पशुपालन निदेशालय लखनऊ से आये नोडल अधिकारी अपर निदेशक गोदान डॉ प्रमोद कुमार ने पशुपालकों को पशुपालन प्रबंधन से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दिया।कार्यक्रम को अपर निदेशक पशुपालन अयोध्या मंडल अयोध्या डॉ अरविंद कुमार वैश्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।लोक गायिका द्वारा द्वारा लोक गायन के माध्यम से पशुपालन की विभिन्न योजनाओं की प्रस्तुति की गयी।पशु आरोग्य मेले में 3705–बड़े पशु, 5220–छोटे पशु को स्वास्थ्य परामर्श तथा उपचार प्रदान किया गया। जिसमे से 2630 पशुओं की सामान्य चिकित्सा में 3485–पशुओं को कृमि नाशक दवापान, 480 पशुओं की बाँझपन चिकित्सा, 48 पशुओं का बंध्याकरण, 94 पशुओं की शल्य चिकित्सा एवम् 12 पशुओं में अल्ट्रासोनोग्राफी परीक्षण किया गया।कार्यक्रम के अंत में अपर निदेशक ग्रेड–2, पशुपालन विभाग अयोध्या मण्डल डॉ० अरविंद कुमार वैश्य ने आए हुए समस्त जन प्रतिनिधियों व लोगों के प्रधान आभार जताया।

'कुड़वार रोड पर तेज आवाज वाली मॉडीफाइड बाइकों का आतंक, पारा बाजार, वलीपुर व बल्दीराय क्षेत्र में नहीं हो रही कार्रवाई'

ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुरं। कुड़वार रोड पर तेज आवाज के साथ फर्राटा भरती मॉडीफाइड साइलेंसर वाली बाइकों का शोर लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। पारा बाजार, वलीपुर सहित बल्दीराय थाने के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कई बाइक चालक कंपनी के साइलेंसर हटाकर मॉडीफाइड साइलेंसर लगाकर सड़कों पर तेज आवाज और धमाकेदार ध्वनि के साथ बाइक दौड़ाते नजर आते हैं। इन बाइकों की कर्कश आवाज से राहगीरों, दुकानदारों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जब ये बाइक तेज रफ्तार के साथ गुजरती हैं, तो माहौल में तेज शोर गूंज उठता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन इलाकों में इस तरह की बाइकों पर रोक लगाने के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। न तो नियमित चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और न ही मॉडीफाइड साइलेंसर लगाने वाले बाइक चालकों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाया जा रहा है परिणामस्वरूप बाइक सवार बिना किसी भय के सड़कों पर तेज रफ्तार और तेज आवाज के साथ फर्राटा भरते नजर आते हैं। क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन और यातायात विभाग से मांग की है कि समय–समय पर अभियान चलाकर ऐसे वाहनों की जांच की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

17 मार्च से शहर से लेकर गांव तक चलेगा सुंदरकांड पाठ का विशेष अभियान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में 17 मार्च से शहर से लेकर गांव तक सुंदरकांड पाठ का विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान की शुरुआत 17 मार्च को सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी से होगी। इस आयोजन का नेतृत्व भाजपा नेता विनोद जायसवाल कर रहे हैं।शुरुआत के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु–संत और श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके बाद यह अभियान शहर से निकलकर गांवों तक पहुंचाया जाएगा। गांवों के मंदिरों में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ कराया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य गांव–गांव के लोगों को सुंदरकांड पाठ से जोड़ना बताया गया है। कार्यक्रम की जानकारी विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता शरद शर्मा ने दी।उन्होंने राम की पैड़ी पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। शरद शर्मा ने कहा कि भगवान हनुमान संकटमोचन हैं, जब भी अयोध्या पर संकट आया उन्होंने उसे टालने का काम किया।

हीट वेब और स्वास्थ्य पर विकास भवन सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर गुजरातके सहयोग से हीट वेब और स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महापौर महोदय की अध्यक्षता में सभागार ,विकास भवन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया के मार्गदर्शन में किया गया।जिले में एक बेहतर हीट वेब एक्शन प्लेन कैसे बनाया जाए।जिसमें सभी विभागों की भागीदारी हो।जन जागरूकता कैसे बढ़ाई जिससे आने वाले गर्मी के मौसम में हीट वेब के प्रभाव से जनमानस को बचाया जा सके। जाए राम पथ के आसपास ग्रीनरी कैसे डेवलप की जाए, लोगों को सोलराइजेशन के प्रति कैसे बढ़ावा दिया जाए। कार्यशाला में मुख्य नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष श्रीवास्तव,नगर स्वास्थ्य अधिकारी आर एम शुक्ला,डॉ.अरविंद श्रीवास्तव एपिडेमियोलॉजिस्ट,डॉ प्रदीप कुमार अधीक्षक मसौधा, डॉ अंशुमान यादव अधीक्षक बीकापुर डॉ अमितवर्मा अधीक्षक पूरा बाजार, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ से डॉ यशोबंत,डॉ शुभम अग्रवाल तनसीम लातीवाला, एन आर डीसी से डॉ रितिका कपूर, रोहन मिश्रा, अशिमां मिश्रा, हर्षित गुप्ता,विकास भवन से सरिता वर्मा, समाजसेवी संस्था व्योमिका से एकता भटनागर,डॉ दीपिका चंद्रा उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने जिला हिट एक्शन प्लान बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सीता रसोई में श्रद्धालुओं को अब भोजन के साथ बांटा जा रहा है ओआरएस का पैकेट

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।गर्मी को देखते हुए राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के समीप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सीता की रसोई में श्रद्धालुओं को अब भोजन प्रसाद के साथ ओआरएस का पैकेट भी दिया जा रहा है।गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए यह नई व्यवस्था शुरू की गई है।सीता की रसोई में अयोध्या आने वाले भक्तों को सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक निशुल्क भोजन प्रसाद वितरित किया जाता है।बताते चले कि यह रसोई राम जन्मभूमि मंदिर के निकास मार्ग पर संचालित की जा रही है।रामलला के दर्शन के बाद बाहर निकलने वाले श्रद्धालु यहां भोजन प्रसाद ग्रहण करने के साथ आराम भी करते हैं।इस संबंध में सीता रसोई के व्यवस्थापक धनंजय पाठक ने रसोई बंद होने की खबरों को गलत बताया है।उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और रसोई नियमित रूप से चल रही है।मीडिया में आई खबर कि गैस की कमी से सीता रसोई बंद हो गई है, उसे उन्होंने सिरे से खारिज किया।19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों के लिए भी भोजन प्रसाद यहीं तैयार किया जाएगा।राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भोजन के साथ ओआरएस वितरण की नई पहल शुरू की गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का पेड़ से लटका मिला शव

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।मामला कोतवाली अयोध्या के रानोपाली चौकी क्षेत्र का है,जहां साकेत डिग्री कॉलेज के बगल एक पेड़ से युवक का शव लटका हुआ मिला।स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ की पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से एक आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिसमें युवक की पहचान अनिल कुमार पुत्र रोशन लाल निवासी हाउस नंबर 1324, गली नंबर 7, सेक्टर–22, फरीदाबाद (हरियाणा) के रूप में हुई है।पुलिस ने आधार कार्ड के आधार पर मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास शुरू कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या प्रतीत हो रहा है, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

लिफ्ट के बहाने पैसा चोरी करने वाले 3 आरोपियों को कोतवाली नगर पुलिस ने किया गिरफ्ता

अयोध्या। विभिन्न मार्गों पर लोगो को गाड़ी मे लिफ्ट का झांसा देकर गाड़ी में उक्त व्यक्ति से रुपये चोरी कर बीच रास्ते में उतारकर अपराध करने वाले तीन आरोपियों को कोतवाली नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से एक कार तथा देसी तमंचा बरामद हुआ।बताया कि चौकी प्रभारी नवीन मंडी जयकिशोर अवस्थी सोमवार को अपने टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे।बताया कि उसरू नहर की पुलिया रायबरेली रोड के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।बताया कि आरोपियों ने पूछताछ मे बताया कि हम लोग हाइवे पर लोगो को बहला कर गाड़ी में बैठा लेते थे।उसके बाद उससे बाते करते करते पैसा व अन्य कीमती सामग्री ले लेते थे तथा गाड़ी के पीछे लगे नम्बर प्लेट के बारे में पूछताछ करने पर बताया कि गाड़ी के पीछे से गाड़ी के नम्बर प्लेट का फोटो न ले ले इसके लिये उसे हटा लिया जाता है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर श्री पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिल सिंह पुत्र स्वर्गीय दया शंकर सिंह निवासी ग्राम मढ़ना थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या,आनंद पांडेय पुत्र स्वर्गीय राज नारायण पांडेय निवासी ग्राम सालिक पंडित का पुरवा सनेथू थाना पूराकलंदर जनपद अयोध्या व भास्कर पांडेय उर्फ पप्पू पुत्र राम प्रसाद पांडेय निवासी ग्राम सालिक पंडित का पुरवा सनेथू थाना पूराकलंदर जनपद अयोध्या के रूप में हुई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में चौकी प्रभारी नवीन मंडी जय किशोर अवस्थी के अलावा उप निरीक्षक अखिलेश तिवारी के अलावा अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।